माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा आरओबी/आरयूबी/एबीएस के शिलान्यास के अवसर पर माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चन्द कटारिया का संबोधन

दिनांक 26 फरवरी 2024, सोमवार	समय : 10.45 AM	स्थान : चांगसारी रेलवे स्टेशन

- राज्यसभा सांसद श्री भुवनेश्वर कलिता जी,
- लोकसभा सांसद श्रीमती क्वीन ओजा जी,
- विधायक श्री दिगंत कलिता जी
- पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के महाप्रबंधक श्री चेतन कुमार श्रीवास्तव जी
- रंगिया डिवीजन के डी.आर.एम. श्री नीरज गुप्ता जी,
- देवियों और सज्जनों,

नमस्कार !

आज देश के साथ-साथ इस क्षेत्र की प्रगति और विकास के लिए महत्वपूर्ण दिन है। आज माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी देश भर में 554 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास एवं 1500 रोड ओवर ब्रिज एवं अंडरपास का उद्घाटन एवं शिलान्यास करेंगे। इसमें असम के 11 रेलवे स्टेशन और 6 रोड ओवर ब्रिज एवं अंडरपास शामिल हैं। इसके लिए मैं माननीय प्रधानमंत्री एवं भारत सरकार को हार्दिक धन्यवाद देता हूं।

आज हम यहां चांगसारी में तहुरा और बरगांव रोड अंडर ब्रिज की आधारशिला रखने के लिए एकत्र हुए हैं। भारतीय रेलवे के विकास के इस कार्यक्रम का हिस्सा बनना सम्मान की बात है। इस शुभ अवसर पर आप सभी को संबोधित करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है। मुझे यह अवसर प्रदान करने के लिए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे को धन्यवाद देता हूं।

मित्रों,

कनेक्टिविटी बढ़ाने और परिवहन बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए रोड-अंडर-ब्रिज का निर्माण बहुत महत्व रखता है। ये अंडरपास न केवल वाहनों की सुचारू आवाजाही की सुविधा प्रदान करते हैं, बल्कि रेलवे क्रॉसिंग पर दुर्घटनाओं के जोखिम को समाप्त करके यात्रियों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करते हैं।

आप सभी को यह जानकर खुशी होगी कि "अमृत स्टेशन योजना" के तहत देश भर में 554 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास और 1500 रोड ओवरब्रिज एवं अंडरपास का शिलान्यास एवं उद्घाटन किया जाएगा। वहीं असम में 133.53 करोड़ रुपये की कुल लागत पर 11 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और 06 रोड ओवरब्रिज एवं अंडरपास का भी शिलान्यास किया जाएगा।

भारतीय रेलवे असम में भी रेल बुनियादी ढांचे को उन्नत करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि वर्तमान में पूर्वोत्तर क्षेत्र में 81,941 करोड़ रुपये के कई रेलवे परियोजनाएं के कार्य प्रगति पर हैं।

इस साल के बजट में पूर्वोत्तर को 10,369 करोड़ रुपए का रिकॉर्ड आवंटन मिला है। इसमें 60 स्टेशनों को विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशनों के रूप में विकसित करने की योजना शामिल है। ये हमारे क्षेत्र में बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण और सतत विकास को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं।

मित्रों,

भारतीय रेल देश की प्रगति का साधन तथा आर्थिक विकास की रीढ़ हैं। इसलिए इसका विकास बहुत महत्वपूर्ण है। हम सभी भाग्यशाली हैं कि हमारे पास ऐसा प्रधानमंत्री हैं, जो रेलवे से भावनात्मक रूप से जुड़ा हुआ है। रेलवे के आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए चलाई जा रहीं विभिन्न परियोजनाएं रेलवे के प्रति उनकी बहुत प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने भारतीय रेल के वैभव को पुनर्स्थापित करने एवं आधुनिक रेलवे बनाने का ईमानदार प्रयास किया है। इन प्रयासों से भारतीय रेलवे में क्रांतिकारी बदलाव आए हैं और रेलवे में सभी परिवर्तनकारी कार्य तेज गति से चल रहे हैं।

पिछले नौ साल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूर्वोत्तर राज्यों में सबसे अधिक विकास हुआ है। पूर्वोत्तर भारत का संपर्क पूरे भारत और दुनिया से बढ़ाने पर विशेष जोर दिया। सड़क, रेल, वायु तथा अंतर्देशीय जलमार्ग परियोजनाओं के माध्यम से कनेक्टिविटी बढ़ाने में बड़े निवेश किए गए हैं। हजारों किलोमीटर सड़कें बनाई जा रही हैं। पुल बनाए गए हैं। रेलवे नेटवर्क का काफी विस्तार किया जा रहा है। और अब रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास का काम शुरू होगा।

इतने सारे स्टेशनों के आधुनिकीकरण से देश में विकास के लिए एक नया वातावरण बनेगा। अपग्रेड किए गए स्टेशनों से न केवल पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि आस-पास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर प्राप्त होगा।

जैसे-जैसे हम प्रगति की इस यात्रा पर आगे बढ़ रहे हैं, हमें उस सामूहिक प्रयास और सहयोग को नहीं भूलना चाहिए, जिसने हमें इस मुकाम तक पहुंचाया है। उनकी एकता और सहयोग के माध्यम से ही हम सभी चुनौतियों का सामना कर अपने लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे।

मैं इस परियोजना को साकार करने में शामिल सरकारी अधिकारियों और इंजीनियरों से लेकर स्थानीय समुदायों और निवासियों के सहयोग की कामना करता हूं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप लोगों के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के उद्देश्य से की जाने वाली पहलों का समर्थन करना जारी रखें। आप सभी राष्ट्र के निर्माण में अपना योगदान दे रहे हैं और मुझे आशा है कि आप भविष्य में भी इसी तरह इसी दक्षता, प्रेरणा और समर्पण के साथ काम करते रहेंगे।

आइए हम एक ऐसे भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर काम करें, जहां समृद्धि और अवसर सभी के लिए सुलभ हों। विकास की राह चुनौतीपूर्ण हो सकती है, लेकिन दृढ़ संकल्प और दृढ़ता के साथ, हम अपने रास्ते में आने वाली किसी भी बाधा को पार कर सकते हैं।

मुझे यह जानकार प्रसन्नता हुई कि आज के कार्यक्रम के संयोजन में आयोजित विभिन्न रचनात्मकता प्रतियोगिताओं में भारी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया है। मुझे बताया गया है कि 91 स्कूलों के 12000 से अधिक छात्रों ने कविता लेखन, निबंध लेखन और भाषण के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। यह क्षेत्र के विकास के लिए उनके गहरे उत्साह और प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इन प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मानित सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देता हूं। साथ ही तहुरा और बरगांव रोड-अंडर-ब्रिज की आधारशिला के लिए आप सभी को बधाई देता हूं और आशा करता हूं कि यह परियोजना एक उज्जवल और बेहतर कल के लिए क्षेत्र के विकास का प्रतीक बनेगा।

अंत में विकसित भारत के निर्माण में आपके योगदान और कार्यों के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

धन्यवाद।

जय हिन्द।